रहा है । आन्दोलनकारी ट्रेन गिरा रहे हैं, बिजली के टावर गिरा रहे हैं । कभी-कभी पुल गिरा रहे हैं । 15 दिन के लिए आन्दोलन सस्पेंड हुआ था । उनका नोटिस है कि अगले 15 तारीख से यह आन्दोलन फिर शुरू हो जाएगा । उस इलाके में रहने वाले एक से डेढ़ करोड़ लोग मानसिक तनाव से पीड़ित हैं, लोग डर में हैं, दहशत में हैं, और हमारी भारत सरकार कुछ भी करने में लाचार है । इसकी लाचारी यह है कि बिहार की सरकार किसी भी मुद्दे पर भारत सरकार के साथ कोई ऐग्रीमेंट करने के लिए तैयार नहीं है । क्यों ? मैं इस पर ध्यान दिलाना चाहता हूं ।

महोदया, बिहार की एसेंबली में 325 सदस्यों में से कम से कम दो सौ लोग नार्थ बिहार से आते हैं । नार्थ बिहार में कोई इंडस्ट्री नहीं है । जो कुछ लीडर हैं चाहे कांग्रेस के अंदर हों चाहे जनता दल के अंदर हों वो नार्थ बिहार से आते हैं । वही मुख्य मंत्री बन रहे हैं । उनके मन में यह डर है कि उनके लिए खाना मुश्किल हो जाएगा । वे समझते हैं कि इनकम साउथ बिहार से आती है, नार्थ बिहार के लोगों को वहां नौकरी मिलती है इस हालात में बिहार सरकार कैसे यह स्वीकृति देगी । इसलिए नार्थ बिहार के लोगों के आर्थिक डेवलपमेंट के लिए कुछ स्पेशल काम करें और उसमें मेरा कुछ सुझाव है ।

1.00 P.M.

नार्थ बिहार में तत्काल हम इंडस्ट्री नहीं लगा सकते । नार्थ बिहार में हिन्दुस्तान की सबसे अच्छी एग्रीकल्चर लेंड है उस एग्रीकल्चर लैंड का उपयोग करके वहां हम फल-फूल और वहां के जो प्रोडेक्ट हैं उनको विदेश भेजने के लिए इन्टरनेशनल एयरपोर्ट बनायें । नार्थ बिहार में मुजफ्फरपुर, दरभंगा और पूर्णिया के इलाके हैं और वहां पर डिफेंस एयरपोर्ट भी है । वहां पर हम कार्गो एयरपोर्ट बना सकते हैं । जो वहां की पैदावार है आम, अलीची है, दूसरी तरह के फल हैं, टमाटर हैं, भिंडी है जिसको एक रुपये किलो के हिसाब से भी कोई नहीं खरीदता है इन सब चीजों को अगर हम मिडिल ईस्ट भेजें तो इससे नार्थ बिहार के लोगों की आमदनी बढ़ेगी तब वह खुद कहेंगे कि साउथ बिहार, झारखंड को अलग रखें क्योंकि हमारी आर्थिक हालत अच्छी हो रही है । मेरी आपके माध्यम से होम मिनिस्टर साहब से आग्रह है कि नार्थ बिहार के इलाके में स्पेशल इकोनोमिक डवलपमेंट करने का प्रोग्राम लें तो जो वहां के लोगों के मन में डर बैठा हुआ है और जो झारखंड की समस्या है वह दूर होगी । इतना ही अनुरोध मैं होम मिनिस्टर साहब से करना चाहता हूं ।

THE DEPUTY CHAIRMAN : The rest of the special mentions will be taken up after the Private Members' Business. If Members had cooperated, everybody could have been accommodated within this time. But, unfortunately, Members take the time of other Members. It is not my loss. I have to sit here for one hour and I will sit here for one hour. You are taking the time of other Members who have been given permission. It is not right. Now, report from the Secretary-General.. *(Interruptions)...* Please do not make things worse. Mr. Secretary-General, please. *(Interruptions).*

SHRI PASUMPON THA. KIRUTTINAN : *

THE DEPUTY CHAIRMAN : Learn some manners. Let him speak.

MESSAGE FROM THE LOK SABHA

The Finance Bill, 1993

SECRETARY-GENERAL: Madam, I have to report to the House the following message received from the Lok Sabha, signed by the Secretary-General of the Lok Sabha :

*Not recorded.

"In accordance with the provisions of rule 96 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in Lok Sabha, I am directed to enclose the Finance Bill, 1993, as passed by Lok Sabha at its sitting held on the 5th May, 1993.

2. The Speaker has certified that this Bill is a Money Bill within the meaning of article 110 of the Constitution of India".

Madam, 1 lay a copy of the Bill on the Table.

THE DEPUTY CHAIRMAN : The House is now adjourned till 2.30 p.m. for lunch.

The House then adjourned for lunch at two minutes past one of the clock.

The House reassembled after lunch at thirty-seven minutes past two of the clock. The Vice-Chairman, (Shri Shankar Dayal Singh) in the Chair.

SHRI V. GOPALSAMY (Tamil Nadu) : Mr. Vice-Chairman, we Members coming from Tamil Nadu, always give due respect to the Chair. But the observation made by the Chair, in a general manner against the Tamil Nadu Members of Parliament, has caused much resentment. It is highly regrettable. 1 request, through you, to expunge those remarks. You please convey our request to the Chairman. We are very much agitated and concerned about it.

SHRI S. MUTHU MANI (Tamil Nadu) : Sir, I also associate myself with the hon. Member. Our feelings are hurt. I am sorry to say this. We may even be dictated by the Chairperson but we want the dignity of Tamil Nadu to be maintained.

Please convey it to the Chairman.

श्री संघ प्रिय गौतम (उत्तर प्रदेश) : उप सभाध्यक्ष महोदय, मैं इसकी ताईद करता हूं । लेकिन मेरी एक शिकायत भी है । जब कभी भी तमिलनाडु का मसला आता है, चाहे कांग्रेस के सदस्य हों और चाहे ये हों, लड़ते हैं, और इससे सदन का समय बड़ा खराब होता है ।

उपसभाध्यक्ष (श्री शंकर दयाल सिंह) : आप बैठिये ।

SHRI S. VIDUTHALAI VIRUMBI (Tamil Nadu) : Sir, our hon. Chairperson has given some sort of warning to the Members of Tamil Nadu. That should be expunged. It should not go on record.

SHRI V. GOPALSAMY : I request that it should be expunged.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SHANKAR DAYAL SINGH) : I will convey your feelings to the Chairman. Now, Private Members' Business.

H. HANUMANTHAPPA : *(Spoke in Kannada)*

SHRI S. VIDUTHALAI VIRUMBI : Where is the translation ? *(Interruptions)*

उपसभाध्यक्ष (श्री शंकर दयाल सिंह) : हनुमनतप्पाजी, शायद आज कन्नड़ से ट्रांसलेशन की सुविधा नहीं है । मैं आपसे यह अनुरोध करना चाहूंगा--आपने कुछ दिन पहले यह मामला उठाया था, मैं स्वयं यह चाहता हूं कि भारतीय भाषाओं में बातचीत हो । जो जहां से आता है वहां की भाषा को यहां पर आदर मिले । लेकिन आज अगर किसी कारण से यह सुविधा नहीं है तो मैं आपसे अनुरोध करूंगा कि थोड़ी बहुत बात आप कन्नड़ में कह दें···

लेकिन चूंकि आज सुविधा नहीं है इसलिए आप अपनी बात अंग्रेजी या हिन्दी में कहें तो बहुत अच्छा होगा ।(व्यवधान)

SHRI V. GOPALSAMY : It is a matter of privilege. *.{Interruptions)..* It is a matter of right. This is nothing but discrimination. Last time when Mr. Hanumanthappa raised the issue, at that time also.. *{Interruptions)..*

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SHANKAR DAYAL SINGH) : Please take your seat. I am talking to the hon. member.. *{Interruptions)..*

SHRI S. MUTHU MANI : It is a problem faced by all Members.. *(Interruptions)..*

SHRI V. GOPALSAMY : It is a matter of concern for all of us _____ *{Interruptions)..* This has been made a House of Hindi speakers.. *.{Interruptions) ..*

SHRI S. MUTHU MANI : The Members are asked to speak in English or Hindi even when the Member wants to speak in his own language.... *{Interruptions)..*

SHRI V. GOPALSAMY : This has been made a House of Hindi fanatics.. *{Interruptions)..*

SHRI S. MUTHU MANI : They should be provided with translation facility.. *{Interruptions)..*

SHRI S. VIDUTHALAI VIRUMBI : The real thing is that non-Hindi-speaking people are discriminated against like this.. *{Interruptions)..*

SHRI S. MUTHU MANI : Simultaneous translation facility should be provided.. *{Interruptions)..* The Members can show their feelings only in their own language. They have to be provided .. *{Interruptions)..*

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SHANKAR DAYAL SINGH) : I am appealing to the hon. Members. Kindly hear me.. *{Interruptions)..*

श्री चतुरानन मिश्र (बिहार) : यह सिर्फ आनरेबल मैम्बर की बात नहीं है, यह तो पूरे सदन की बात है । हम लोग जानना चाहेंगे कि क्यों ट्रांसलेशन की सुविधा नहीं है । मैम्बर ने पहले से नोटिस दे दिया तो क्या बात हो गई ? क्योंकि इनका कहना तो जायज है न कि यह डिसक्रिमिनेरी लगता है । हम लोग तो हिन्दी जो चाहते हैं बोल लेते हैं लेकिन जब यह बोलना चाहते हैं तो साइमलटेनियस ट्रांसलेशन की सुविधा नहीं है (व्यवधान)

SHRI S. MUTHU MANI : Simultaneous translation should be provided.. *{Interruptions)..*

SHRI CHATURANAN MISHRA : I am supporting what you are saying. It is not a question of being Hindi fanatics.. (आज क्यों नहीं है ? यह सदन को मालूम हो जाए कि यह सुविधा क्यों नहीं है । जब मैम्बर ने पहले से कह दिया want to know why this type of facility is not there.

उपसभाध्यक्ष (श्री शंकर दयाल सिंह) : ठीक है । मैंने इसकी इन्क्वायरी की है । जब मैंने इसकी पूछताछ की तो हमको यह पता चला है अपने सेक्रेट्रेरियेट से कि पहले से आदरणीय हनुमनतप्पा जी ने अनुवाद के लिए कहा था लेकिन किसी कारणवश व्यवस्था नहीं हो सकी ।

श्री चतुरानन मिश्र : वही कारण तो हम जानना चाहते हैं ?

उपसभाध्यक्ष (श्री शंकर दयाल सिंह) : हां किसी कारणवश हो रही है व्यवस्था । लेकिन आज किसी कारणवश व्यवस्था नहीं हो सकी ।

श्री चतुरानन मिश्र : यह तो अज्ञात कुल गोत्र आप रख रहे हैं । हम जानना चाहते हैं कि किस का यह कसूर है । बताइये तो कुल गोत्र क्या है उसका (व्यवधान)

उपसभाध्यक्ष (श्री शंकर दयाल सिंह) : ऐसा है, बैठिये मैं बतला देता हूं । May I tell you one thing ? You have already protested once. I was here and other Members were also here. The Chairman has already sanctioned a post for Kannada translation. Earlier, we used to take a man from Lok Sabha. Today he is not available. This is the main thing. Therefore, I request you, if it is possible, you may say your points in English. This is only a request .. *(Interruptions)*..

श्री ऐच० हनुमनतप्पा (कर्णाटक) : उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं इस दुविधा में पड़ा हूं कि आज इसी रेजोल्यूशन पर बोलने वाले माननीय सदस्य जो उड़िया में बोलना चाहते हैं वे उड़िया में बोलेंगे, उनके लिए इंटरप्रिटेशन की व्यवस्था है । जो तमिल में बोलेंगे उनके लिए इंटरप्रिटेशन की व्यवस्था है । जो राजस्थानी में बोलेंगे, उनके लिए भी इंटरप्रिटेशन की व्यवस्था है । इस रेजोल्यूशन का मूवर मैं हूं लेकिन मेरे लिए इंटरप्रिटेशन की व्यवस्था नहीं है । यह कैसे होगा ? आज के इस प्रस्ताव में मूवर के लिए सुविधा नहीं है और दूसरों के लिए यह सुविधा उपलब्ध है । यह क्या बात है ।

उपसभाध्यक्ष (श्री शंकर दयाल सिंह) : मैं खुद आपकी बात समझता हूं और समझ रहा हूं और मैं इस दिक्कत को महसूस भी कर रहा हूं कि यह व्यवस्था होनी चाहिये थी ।

श्री ऐच० हनुमनतप्पा : जो होनी चाहिये थी वह 45 साल तक नहीं हो सकी । इसीलिए हम कोआप्रेट करते आए हैं । जस्टीफिकेशन मांगा गया । आपने कहा लोक सभा से, लेकिन एक दिन भी यह नहीं हुआ । हम लोग मांगते रहे लेकिन इंतजाम नहीं हो सका । हर बार रिक्वेस्ट किया गया, आप तो भाषा जानते हैं, किसी तरह से नहीं हो सका, इसलिए हिन्दी में या अंग्रेजी में बोलिये । आज हम इस हालत में आए हैं और आज शिकायत हमारे ऊपर यह है कि— "If there is no translator for all these 45 years, you fellows from Karnataka are responsible". This is the remark made by a learned colleague of this House. Should I take it ? .. *(Interruptions)..!* leave it to you, Mr. Vice-Chairman. Today with a heavy heart I am standing here. I want to speak in my language and I had given notice. It does not matter even if the resolution is postponed to some other time.. *(Interruptions)*.. My point, is, on the one side, we have been cooperating with the administration for the last 45 years. On the other side, our fellow Members say, "You fellows, you have not raised your voice in the House. You have not demanded it. You deserve this treatment". There is this remark for having cooperated with the administration for the last 45 years. So, today, with due respect of you, my dear Vice-Chairman, I am prepared to withdraw my Resolution if there is no interpreter to interpret my speech. I will put my Resolution in the next Session. Everybody says that if there was no interpreter for the last 45 years, we were responsible for it. Anybody can pass such a remark. Let this discrimination be wiped out at least now. I feel that it is a discrimination made against us for the last 45 years.. .. *(Interruptions)*..

SHRI J.S. RAJU : Why shouldn't we have a Kannada interpreter for ourselves ?

उपसभाध्यक्ष (श्री शंकर दयाल सिंह) : आप तो इतने पुराने सदस्य रहे हैं कि आपसे अपील की जा सकती है । आपसे यह कह रहा हूं कि देखिए जब खुद आपने जो प्वाइंट्स रेज किये हैं मैं उनकी कद्र करता हूं और मैं आपकी भावना के साथ शत-प्रतिशत हूं और मैं यह बात कह रहा हूं कार्यालय से कि अगली बार से इस तरह की कोई गलती नहीं होनी चाहिये । साथ-साथ मैं आपसे यह अनुरोध करूंगा चूंकि

सप्ताह में एक दिन प्राइवेट मेम्बर बिल होता है और महत्वपूर्ण दिन है इसलिए आज के दिन को आप दूसरे दिन के लिए न ले जाकर आज मेरी बात, चेयर की बात प्रार्थना-स्वरूप मान लें और अपनी बात कहें ।

श्री चतुरानन मिश्र : आगे से यह रिपोर्ट नहीं किया जाएगा ।

श्री संघ प्रिय गौतम : उनकी शिकायत तो वाजिब है लेकिन सदस्य नहीं चाहते हैं · · · **(व्यवधान)**

SHRI V, GOPALSAMY : Let him speak in Kannada and let it be recorded. Then, translation can be done from the recorded speech.

SHRI S. MUTHU MANI : We all welcome his speech in Kannada.

THE MINISTER OF AGRI CULTURE (SHRI BALRAM JAKHAR) : Sir, with your appeal to the hon. Member, 1 also appeal to him. You can assure him that arrange ments will be made when he speaks next time. There is no problem when you have created a post to fill it up. Why should anybody have any grudge about it ? All the languages are our languages. We have respect for all the languages be it Tamil, Kannada or Telugu. They are all ours. He should be allowed to have his say in. his language. But I think, this time, he will abide by our request. Next time, the Secretary-General will have to make sure that necessary arrange ment is made for this.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF URBAN DEVELOPMENT WITH ADDITIONAL CHARGE OF THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF WATER RESOURCES (SHRI P.K. THUNGON) : Sir, I have to listen to the hon. Member. I don't understand Kannada nor is my language understood by anybody here. I would also appeal to the hon. Member to speak either in English or in English for today and later on, since you are going to make arrangements, he could speak in his language.

SHRI V. GOPALSAMY : We have been hearing such assurances for the last 45 years. *.(Interruptions)*..

SHRI S. MUTHU MANI : This assurance was given three months back also. *.(Interruptions)*..

SHRI CHATURANAN MISHRA : After hearing him, you must also act according to that. Otherwise, what is the use ?

SHRI H. HANUMANTHAPPA : Mr. Vice-Chairman, Sir, unfortunately, I forced you to make a request. Sir, I submit to you, in all humility, that this is not my first request to the Chair. This is the 'nth time that the Chair has asked me to speak either in Hindi or in English. Even when I had given notice, that was the request from the Chair as well as the Secretariat. My pointis, when I hear people saying, "You are responsible for the Rajya Sabha not having a Kannada interpreter for the last 45 years. It is because of your negligence. You people are responsible", 1 feel humiliated. That pinches me very much. I appeal to you today to allow me to withdraw the Resolution because though I am in a mood to move it. I don't want to contribute further to this situation and be responsible for this situation. I feel very much hurt when I heard these words from the Minister. So I appeal to you to allow me to withdraw the Resolution for the time being so that I can speak in my regional language at a later time. I am prepared to withdraw my Resolution.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SHANKAR DAYAL SINGH) : I have already appealed to you. Now, it is your discretion.

SHRI H. HANUMANTHAPPA: I abide by the Chair's direction.. *(Interruptions)*

SHRI V. GOPALSAMY : I appreciate the sentiments expressed by Shri H. Hanumanthappa.

SHRI H. HANUMANTHAPPA : Sir, I abide by the direction of the Chair. I take it as a direction from the Chair both to the Secretariat and to me. I abide by your ruling and I am going ahead and I hope that this situation will not arise henceforth.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SHANKAR DAYAL SINGH) : Thanks.

SHRI H. HANUMANTHAPPA : Sir, I rise today to move a Resolution which affects 70% of the population of this country. I start with a charge that all the development you have made in the agricultural sector during the last 45 years after independence, has benefited only 30% of the population of this country to the total neglect of the remaining 70% of the population.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SHANKAR DAYAL SINGH) : All right, now let us proceed.

RESOLUTION RE. ESTABLISHMENT OF A GROUND WATER MANAGEMENT CORPORATION

SHRI H. HANUMANTHAPPA (Karnataka) : Sir, I move the following Resolution :

"Having regard to the fact that :—

(i) the irrigation projects through out the country are taken up by Government taking into consideration their technical feasibility and are implemented at the cost of public money either with Governments own funds or borrowed funds;

(ii) the cost of the irrigation projects is met by State Governments and they provide impounded water to individual farmers and collect water rates from them depending upon the acreage of land irrigated; (iii) as a consequence of the above, farmers are saved of the financial burden of finding, impounding and channelising water to their lands except for the water rate that they have to pay depending upon the water they use for agriculture;

(iv) 70% of the agricultural land not covered by the irrigation projects or river valleys has to depend on subsoil water for irrigation;

(v) farmers living outside the irrigation project areas have to borrow for finding, boring and taking out sub-soil water thereby forcing them to indebtedness much before getting water and many a time not getting water (by failed wells) and repaying loans as well as interest, at times with compound interest thereon; and

(vi) there is thus a basic discrimination between the farmers in project areas who do not bear the burden of cost of getting water but pay water rate and the farmers who bear the entire burden of finding, boring, impounding and channelising water;

this House resolves that Government should establish a Ground Water Management Corporation to explore,